University in News on 05 January 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : अब ज्यादा छात्र बन सकेंगे 'कर्मयोगी'

पात्रता के लिए सालाना पारिवारिक आय की सीमा हुई तीन लाख, साल में 15 हजार तक कमा सकेंगे चयनित छात्र

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई कर्मयोगी योजना का लाभ अब तीन लाख रुपये सालाना पारिवारिक आय वाले विद्यार्थी भी उठा सकेंगे। लविवि ने कर्मयोगी योजना का आवेदन फॉर्म जारी कर दिया है। इस साल योजना में कई बड़े बदलाव हुए हैं। आवेदन की अंतिम तारीख 30 जनवरी तय की गई है। विद्यार्थी इसके लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पास ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

लविवि में पिछले साल तक आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता के लिए 'पुअर बॉयज फंड' के नाम से योजना चलती थी। इस साल इसे नए नाम और नई शर्ट के साथ संचालित किया जा रहा है। अभी तक इसमें विद्यार्थियों को पांच हजार रुपये सालाना की सहायता दी जाती थी। इसके लिए एक लाख रुपये सालाना पारिवारिक आय तक वाले विद्यार्थी आवेदन कर सकते थे।

इस साल इसमें सबसे बड़ा बदलाव यह है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थियों को काम भी करना होगा। योजना की धनराशि पांच हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दी गई है। इसके साथ ही पात्रता के लिए पारिवारिक आय की सीमा भी एक लाख से बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दी गई है। योजना का लाभ लेने के लिए न्यूनतम 60 फीसदी अंक और 75 फीसदी उपस्थिति जरूरी है।

योजना के लिए लविवि ने ये नियम बनाया है कि एक छात्र को दिन में दो घंटे व साल में अधिकतम 50 दिन काम करने का मौका मिलेगा। इसके लिए प्रति घंटे 150 रुपये विवि प्रशासन देगा। इस तरह से विद्यार्थी को अधिकतम 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसमें इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि विद्यार्थियों को उनके कोर्स से संबंधित विभाग में ही काम करने का मौका मिले। मसलन, लाइब्रेरी साइंस के विद्यार्थी को पुस्तकालय, सिविल इंजीनियरिंग के छात्र को वर्क्स विभाग में, कॉमर्स के छात्र को अकाउंट विभाग, कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी को कंप्यूटर सेंटर पर काम दिया जाएगा।

30 तक अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पास आवेदन कर सकेंगे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी

स्टूडेंट वेलफेयर फंड से भुगतान

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए स्टूडेंट वेलफेयर फंड योजना में जमा की गई राशि से विद्यार्थियों को भुगतान किया जाएगा। विवि में हर विद्यार्थी से मिली फीस में से 200 रुपये इस फंड में जाते हैं। विवि में करीब 20 हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं। इससे हर साल इस फंड में 40 लाख रुपये जमा होते हैं।

योजना की शर्तें

- पारिवारिक आय तीन लाख रुपये सालाना या कम होनी चाहिए।
- विद्यार्थी की क्लास में 75 फीसदी उपस्थिति होनी चाहिए।
- विद्यार्थी को न्यूनतम 60 फीसदी अंक हासिल करने होंगे।
- विद्यार्थी का किसी भी पेपर में बैक नहीं आना चाहिए।
- विद्यार्थी किसी भी अवांछित गतिविधि में शामिल न रहा हो।

NBT PAGE 6

एलयू में 15 से होंगी परीक्षाएं

मार्च के प्रथम सप्ताह में जारी होंगे परिणाम

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने समय पर सत्र को लेकर तैयारी तेज कर दी हैं। 15 जनवरी से परीक्षाएं होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि तैयारियां हो चुकी हैं। सत्र समय पर रखने के लिए एमसीक्यू प्रणाली पर परीक्षाएं करवाने का निर्णय लिया गया है। इसी उद्देश्य से 15 जनवरी से बैक पेपर की परीक्षाएं करवाना प्रस्तावित है। परीक्षाएं करीब 4 दिन चलेंगी। परीक्षा कार्यक्रम जल्दी ही वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। इसके अलावा जनवरी के अंतिम सप्ताह से सेमेस्टर स्टूडेंट्स की परीक्षाएं करवाने की तैयारी है। परिणाम मार्च के प्रथम सप्ताह में जारी कर दिए जाएंगे। फाइनल सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल के अंतिम सप्ताह या मई प्रथम सप्ताह में करवाने पर विचार कर रहा है।

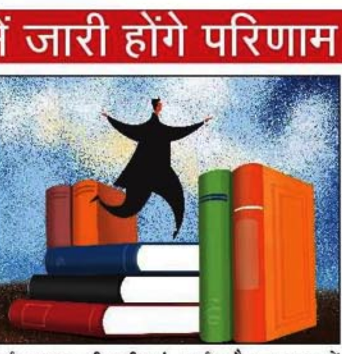

लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालय के स्टूडेंट्स की बीईएलएड प्रथम वर्ष 2020 की परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2020 में होनी थीं, जो कोविड-19 के कारण नहीं हो सकीं। अब परीक्षाफल तैयार करने वाली गठित समिति के निर्णयानुसार स्टूडेंट्स को पुनरीक्षण के लिए एक माह का समय दिया जाएगा। इसके बाद फरवरी के प्रथम सप्ताह पुराने पैटर्न पर परीक्षाएं होंगी।

खबरें काम की

स्टूडेंट्स अकैडमिक अडवाइजरी कमिटी जल्द

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्टूडेंट्स अकैडमिक अडवाइजरी कमिटी गठित करने का निर्णय लिया है। हर विभाग में कमिटी का गठन होगा और उसके फैसलों व प्रस्तावों को एलयू की प्रशासनिक समितियों की बैठक में रखा जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार इसी सत्र से समिति का गठन किया जाएगा।

एलयू : जल्द शुरू होगी डी. लिट् प्रवेश प्रक्रिया

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 10 से 12 साल बाद डी. लिट् प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय के अनुसार डी.लिट् का नया आर्डिनेंस बनकर कुलाधिपति को भेज दिया है। अनुमति मिलते ही जनवरी के अंतिम सप्ताह में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

विवि में ही इंटर्नशिप कर सकेंगे स्टूडेंट

एलयू प्रशासन ने स्टूडेंट्स को विवि में ही इंटर्नशिप करवाने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय के अनुसार विवि स्टूडेंट्स के लिए बहुत सी योजनाओं पर कार्य कर रहा है। इसी के तहत तय किया गया है कि स्टूडेंट्स अपने ही विभाग में इंटर्नशिप कर सकेंगे। इसके लिए जल्द ही प्रक्रिया तैयार की जाएगी।

एलयू: 14 दिवसीय एफडीपी आज से

कॉमर्स विभाग में मंगलवार से 14 दिवसीय फैकेल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आगाज होगा। 18 जनवरी तक चलने वाले कार्यक्रम का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल करेंगे। इससे जुड़ने वालों को सरकार की तमाम योजनाओं जैसे एमएसएमई, ओडीओपी की जानकारी दी जाएगी।

THE PIONEER PAGE 3

3-day bird festival from Jan 21

PNS ■ LUCKNOW

The Institute of Wildlife, Lucknow University, is organising a 3-day bird festival from January 21. Director Amita Kanaujia said the aim is to promote bird identification and bird tourism in the region. The festival will be both in offline and online modes.

"There will be bird sightings by the students and workshops witnessing the participation of experts. While field visits will be physical, the workshops will be online. There will be bird sightings on the Lucknow University campus on the first day while at Kukrail Reserve Forest on the second day and at Sandila Bird Sanctuary in Hardoi on the third day," Kanaujia said.

Experts will talk about bird identification and bird photography while students will apply this in the field.

Meanwhile, the vulture census will be held in the state on January 15. "We have already held workshops in this regard for the Forest department and given them books for identification of the vultures. The census will be a one-day exercise," Kanaujia said.

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि में पढ़ाया जाएगा पक्षियों के संरक्षण का पाठ

जितेंद्र उपाध्याय ● लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय अवध बर्ड फेस्टिवल का आयोजन करने जा रहा है। इस अनोखे उत्सव में न केवल आपको पक्षियों की कलाओं में मनोरम दृश्य की अनुभूति करने के बारे में बताया जाएगा, बल्कि प्रवासी पक्षियों की सुंदरता और उनके रहन-सहन से भी रूबरू कराने के साथ उनके संरक्षण का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। आयोजन 21 से 23 जनवरी तक वर्चुअल होगा।

उत्सव में खास बात यह होगी कि सभी जिलों के जिला वन अधिकारी, समाजसेवियों और विशेषज्ञों के साथ प्रवासी पक्षियों के आने के स्थल पर उनकी निगरानी करेंगे। लखनऊ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्ड साइंस की प्रो.अमिता कनौजिया के संयोजन में होने वाले अवध बर्ड फेस्टिवल में पक्षियों को बचाने और उनकी दिनचर्या में पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभाव पर मंथन भी करेंगे।

कोरोना संक्रमण के चलते होगी वर्चुअल भागीदारी: कोरोना संक्रमण के चलते सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए विशेषज्ञों की वर्चुअल भागीदारी होगी। जूम एप के माध्यम से विशेषज्ञों को जोड़ा जाएगा। दिनभर में चार चरणों में आयोजन होंगे। लखनऊ विवि में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय उत्सव की शुरुआत करेंगे।

इन विशेषज्ञों की होगी भागीदारी: संयोजक प्रो.अमिता कनौजिया ने बताया कि लखनऊ विवि के कुलपति के साथ ही विवि के जीव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ.आशीष कुमार, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक डॉ.रूपक डे, सहायक वन संरक्षक डॉ.अबू अरशद खां, फोटोग्राफर अमित मिश्रा, ईला फाउंडेशन पुणे के निदेशक डॉ.सतीश पांडेय बतौर विशेष शामिल होंगे। इसके अलावा कुकरैल, हरदोई सहित ऐसे स्थानों पर स्वयंसेवी संस्थानों से मिलकर जिला वन अधिकारी प्रवासी पक्षियों के आने और उनकी दिनचर्या का आंकलन करेंगे।

उत्सव

- वर्चुअल अवध बर्ड फेस्टिवल में लगेगा विशेषज्ञों का जमावड़ा
- लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 21 से 23 जनवरी के बीच आयोजन

गौरैया संरक्षण में रही भूमिका

प्रो. अमिता ने गौरैया संरक्षण का अभियान चलाकर न केवल आम लोगों को उनके प्रति जागरूक किया, बल्कि अकेले लखनऊ में पिछले पांच वर्षों में गौरैया की संख्या में तीन से पांच गुना तक वृद्धि भी हुई। उनका यह प्रयास प्रवासी पक्षियों के सामने आने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए है।

HINDUSTAN PAGE 5

विश्वविद्यालय में इंटर्नशिप कर सकेंगे छात्र-छात्राएं

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को अब इंटर्नशिप के लिए भटकने की जरूर नहीं पड़ेगी। अब उन्हें विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर कार्यानुभव का भी मौका मिलेगा। कर्मयोगी के बाद विश्वविद्यालय ने इस विशेष योजना की शुरुआत करने का फैसला लिया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस इंटर्नशिप कार्यक्रम में छात्रों को कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। उन्हें कार्यानुभव मिलेगा। कुलपति ने बताया कि पत्रकारिता विभाग के छात्रों को विश्वविद्यालय के आईपीपीआर कार्यालय के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। इसी तरह, अन्य छात्र अपने पाठ्यक्रम के आधार पर जुड़ सकेंगे। उन्होंने इसके लिए एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। जो, भविष्य में उनके लिए नौकरी पाने में फायदेमंद साबित होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक जनवरी से कर्मयोगी योजना की भी शुरुआत की है। इसमें छात्र को विश्वविद्यालय प्रशासन और विभिन्न विभागों के साथ जुड़कर काम करने का मौका मिलेगा। इसके लिए छात्रों को प्रति घंटा 150 रुपये और एक सत्र में अधिकतम 50 दिन के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। इसके लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। आवेदन जनवरी के अन्तिम सप्ताह होंगे।

छात्र तय करेंगे कैसे होगी पढ़ाई

एलयू

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र खुद तय कर सकेंगे कि विभाग में पढ़ाई कैसे होगी। विवि प्रशासन की ओर से विभाग के स्तर पर स्टूडेंट्स एकेडमिक एडवाइजरी कमेटी का गठन करने का फैसला लिया है।

इसमें विभाग के अलग-अलग पाठ्यक्रमों के छात्रों को शामिल किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान शैक्षिक सत्र से ही इसे लागू किया जाएगा।

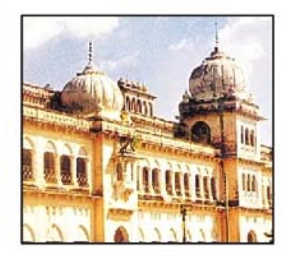

कमेटी के सुझावों को विभाग की ओर समितियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सभी स्तर पर होने वाले फैसलों में इनको जगह मिलेगी। यह समिति के सदस्यों की जिम्मेदारी होगी कि वह विभाग के अन्य छात्रों की राय अवश्य शामिल करेंगे। लविवि में बीते एक वर्ष में प्रशासन के कामों में छात्रों की सहभागिता को बढ़ाया गया है।

विभाग के स्तर पर डी.लिट के प्रवेश

लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 10 साल के बाद एक बार फिर डी.लिट में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इसका नया आर्डिनेंस बनकर तैयार है। इसे कुलाधिपति के पास भेजा गया है। जल्द ही इस पर मुहर लगते ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। संभावना है कि जनवरी के अन्तिम सप्ताह तक यह प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। उन्होंने बताया कि इसके प्रवेश की प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। यह प्रवेश भी अब विभाग के स्तर पर ही लिए जाएंगे।

TOI PAGE 2

LU offers its students a chance to earn while learning with Karmayogi scheme

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Lucknow University students now have the opportunity to earn while learning. The university has come up with Karmayogi scheme which offers the students to do part-time jobs on the campus. The application forms have been uploaded on LU website.

Under the scheme, LU will provide part-time jobs in its administration to the needy students to help them support their expenses. "For the assigned jobs, a student will be paid Rs 150 per hour and would be allowed to work for maximum 2 hours a day subject to a ceiling of 50 days in an academic session. The maximum amount paid to a student in any case under the Karmayogi scheme will be Rs. 15,000 in a session," said dean student welfare Poonam Tandon.

The work will be related to the stream of the student. For example, a civil engineering student may get assignment with LU's public works department; an accounts student can get part-time job at the finance office; a computer science student can work in various offices where computers are used and a journalism student can be assigned the task of preparing press notes for the public relation department.

HOW TO BECOME A KARMAYOGI

ELIGIBILITY | Annual family income ₹3 lakh or less, attendance 75% or above, marks 60% or above with no back paper in previous semester and no charges of indiscipline

- Any UG, PG or PhD student who fulfils eligibility criteria can apply and earn up to ₹15,000 in an academic session
- A student will be assigned a task and paid ₹150 per hour and allowed to work only for two hours a day and for a total of 50 days in a year
- Interested students may submit the online applications in the format available on the university website before January 30

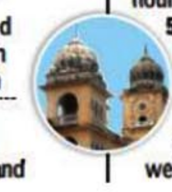

i-NEXT PAGE 2 & 4

आज से शुरू होगा एफडीपी कार्यक्रम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी के कॉमर्स विभाग में मंगवार से 14 दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है. यह कार्यक्रम 5 से 18 जनवरी तक चलेगा. इस कार्यक्रम का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल करेंगे. इस कार्यक्रम के तहत लेक्चर आदि सेशन आयोजित होंगे. बता दें कि यह इस कार्यक्रम को एलयू के कॉमर्स विभाग के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है. जिसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है. इसमें ऑर्गिनाइजनिंग कमेटी में एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय भी हैं.

15 जनवरी से एलयू के बैक पेपर एग्जाम

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी ने कोविड 19 के चलते सत्र में देरी न होने की रणनीति पर करना शुरू कर दिया है. जिसके तहत एलयू में 15 जनवरी से परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी. यह रणनीति एलयू में बीते साल हुई परीक्षा समिति की बैठक में तय की गई है. हालांकि अभी परीक्षाओं को लेकर एक बार और एलयू प्रशासन प्रशासनिक बैठक करेगा. यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि परीक्षाओं के संबंध में पूरी तैयारियां की जा चुकी है. प्रो. सक्सेना का कहना कि एलयू में सत्र में देरी न होने पाए. इसी वजह से एमसीक्यू प्रणाली पर परीक्षाएं करवाने का निर्णय लिया गया है. इसी उद्देश्य से 15 जनवरी से बैक पेपर स्टूडेंट्स की परीक्षाएं करवाना प्रस्तावित है. यह परीक्षाएं करीब 4 दिन चलेंगी. इन परीक्षाओं का परीक्षा कार्यक्रम जल्दी ही वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

फरवरी में होगी बीईएलएड की परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की बीईएलएड प्रथम वर्ष 2020 की परीक्षाऐं जो कि मार्च-अप्रैल 2020

में सम्पादित होनी थी, कोविड-19 के कारण सम्पादित नही हो पायी है। यह परीक्षायें अब परीक्षाफल तैयार किये जाने के लिए गठित समिति के निर्णयानुसार छात्रों को पुनरीक्षण के लिए एक माह का समय देते हुए फरवरी 2021 के प्रथम सप्ताह में बीईएलएड प्रथम वर्ष 2020 की परीक्षा (थ्योरी अधारित) सम्पादित करायी जायेगी। इसकी जानकारी प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी है।

लविवि में इस बार दिया जायेगा विभागीय मेडल

लखनऊ। लविवि के विभागों के अधिकार का विस्तार करने की मंशा से आगामी शैक्षणिक सत्र मेधावियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र विभाग में दिये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए कुलपति ने अपनी ओर से ही पहल की है। इस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विभाग के स्तर को बढ़ाने और उनके अधिकार का विस्तार करने के लिए जरूरी है कि विभागों को स्वायत्ता दी जायें। ऐसे में जो विभाग की ओर से प्रायोजित पदक होंगे, उन्हें विभाग की ओर से ही दिया जायेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व में प्रथा रही है कि दीक्षांत समारोह के दौरान ही सभी मेधावियों को पदक वितरित किये जाते रहे हैं। ऐसे में करीब दो सौ मेधावियों को मेडल देना संभव नहीं हो पाता है है। विश्वविद्यालय में दो तरह के मेडल वितरित किये जाते है। इसमें एक विवि की ओर से और दूसरा दूसरों की ओर से जो अपनी ओर से उक्त विभाग के मेधावी को देना चाहते है।